• बाणसागर परियोजना BanSagar project	सोन नदी Son river	Bihar, U.P, MP
• निम्मो बाजगो परियोजना Nimmo - Bazmo project	सिंधु नदी Indus river	लद्दाख, J&K laddakh, J&K
• उरी परियोजना Uri project	झेलम नदी Jhemlam river	जम्मू - कश्मीर J&K
• चुटक परियोजना Chutak Project	सुरू नदी Suru river	J&K
• बगलिहार परियोजना Baglihar project	chenab river चेनाब नदी	J&K
• अलमाटी बाँध परियोजना Almatti Dam project	कृष्णा नदी Krishna river	A.P, Karnataka, Maharastra.
• किशनगंगा परियोजना Kishanganga project	किशनगंगा नदी Kishanganga river	J&K
• केन - बेतवा लिंक प्रोजेक्ट Ken - Betawa link project	केन - बेतवा नदी Ken - Betwa river	UP, MP
• किसाऊ बाँध परियोजना Kisau Dam project	टोंस नदी Tons river	हिमाचल प्रदेश, Haryana, UP, UK

• श्री सैलम परियोजना Srisailam project	कृष्णा नदी Krishna river	A.P., Telangana
• Hidkal Project हिडकल परि०	Ghat Prabha river घाट प्रभा रिवर	Karnataka कर्नाटक
• कलपोंग परियोजना Kalpong project	Kalpong river कलपोंग नदी	Andman Nicobar अण्डमान-निकोबार
• Upper penganga ऊपरी पेनगंगा	पेनगंगा Penganga	Maharashtra महाराष्ट्र

मानसून
MONSOON

- गर्म हवा — हल्की एवं आर्द्रतायुक्त
  Hot air — light and humid

- ठण्डी हवा - भारी
  Cold air — Heavy

- विशिष्ट ऊष्मा (specific heat) = किसी पदार्थ का तापमान 1°C बढ़ाने के लिए आवश्यक ऊष्मा की मात्रा विशिष्ट ऊष्मा कहलाती है।
  (The amount of heat required to raise the temperature of a substance by 1°C. is called specific heat.)

- जल की विशिष्ट ऊष्मा स्थल के मुकाबले 2.5 गुना ज्यादा होती है।
  (The specific heat of water is 2.5 times higher than that of land)

- यही कारण है, कि जल देर से गर्म व देर से ठण्डा होता है
  (This is the reason, that the water gets hot late and cools late.)

(अ) ग्रीष्मकालीन मानसून = 21 मार्च के बाद सूर्य उत्तरायण होने लगता है, जिस कारण उत्तरी गोलार्द्ध में सूर्य सीधा चमकने लगता है। परिणाम स्वरूप सर्वाधिक सौरिक ऊर्जा मिलने लगती है।

(a) The Summer monsoon = After march 21, the sun begin to set in, due to which the sun starts shining directaly in the northern hemisphere. As a result, maximum solar energy is available.

- 21 जून को सूर्य कर्क रेखा पर सीधा होता है, अत्यधिक तापमान के कारण एशिया पर न्यून वायुदाब बन जाता है। जिसके विपरीत द० गोलार्द्ध में शीतकाल के कारण दक्षिणी हिंद महासागर तथा उ० प० आस्ट्रेलिया के पास उच्चदाब विकसित हो जाता है।

(On june 21, the sun is straight on the tropic of cancer, due to the high temperature, low air pressure is formed over Asia. On the contrary Due, to the winter in the south hemisphere, High pressure developes near the southern Indian Ocean and North-west Australia.)

- परिणाम स्वरूप उच्च दाब वाले क्षेत्रों से अर्थात् महासागरीय भागों से निम्न दाब वाले स्थलीय भागों की ओर हवाऐ चलने लगती हैं। सागरो के ऊपर से आने के कारण नमी से लदी ये हवाएँ पर्याप्त वृष्टि प्रदान करती है।

As a result, winds start blowing from the high pressure areas like the oceanic parts towards the low pressure terrestrial parts coming from the oceans they moisture ladin winds provide ample rainf

- जब निम्न दाब पर क्षेत्र अधिक सक्रिय हो जाते हैं, तो द० प्र० व्यापारिक हवा भी भूमध्य रेखा को पार करके (फैरल के नियमानुसार भूमध्य रेखा पार करने पर द.प०) मानसून हवाओ से मिल जाती है। 'द.प. मानसून' (भारत) भी कहा जाता है।

When the low pressure areas become more active, the S.E. Trade wind also mixes with the monsoon winds after crossing the equator (SW on crossing the equator according to ferrals rule). It is called 'S.W. Monsoon' (India)

भारत पर द.प. मानसून की दो शाखाएँ हो जाती हैं -

1) बंगाल की खाड़ी की शाखा, जो कि देश की पूर्वी तथा मध्य उत्तरी भाग को प्रभावित करती है।

2) अरब सागर की शाखा जो कि देश के दक्षिणी, पश्चिमी तथा ठ. प. एवं मध्यवर्ती भाग को प्रभावित करती है।

On India The SW Monsoon has two branches :-

1) The Bey of Bengal branch, which affects the eastern and central northern part of the country.

2) The Arabian sea branch, which affects the Southern - easter and north - eastern part of the country and affects the intermediate part.

-:- अरब सागर की मानसूनी पवनें / monsoon winds of Arabian sea

- अरब सागर की एक शाखा प० घाट से टकराती है। ये पवनें प० घाट के ढलानो पर 900 से 1200 m तक की ऊँचाई पर चढती है। ये पवनें तत्काल ठण्डी होकर और सह्याद्रि के पवनाभिमुखी ढाल (Leeward slop) पर 250 से 400 cm के मध्य भारी वर्षा कराती है।

An arm of Arabian sea hits the western Ghats. These winds rise to a height of 900 to 1200 m on the slopes of the western Ghats. these winds cool down immediately and cause heavy rainfall between 250 to 400 cm on the leeward slope of the sahyadris.

- पश्चिमी घाट वृष्टि छाया (Rain shadow) प्रदेश में इनसे वर्षा नही होती है, और ये प्रदेश सूखा रह जाता है। अरब सागर की दूसरी शाखा, मुंबई के उत्तर मे नर्मदा और तापी नदियो की घाटियो से होकर मध्य भारत में दूर तक वर्षा कराती है, छोटानागपुर पठार में इससे लगभग 150 cm बर्षा होती है।

They do not cause rain in the rain shadow region of the western Ghats and this region of remains dry. the other branches of the Arabian sea, bringing rains far into central India, Passes through the vellays of the narmada and Tapi rivers north of Mumbai. It receives 150cm of rainfall in the chhotanagpur plateau by this branch.

- अरब सागर की तीसरी शाखा, सौराष्ट्र प्रायद्वीप और कच्छ से टकराती है। यह शाखा अरावली के साथ-साथ चलती है। और प० राजस्थान मे कम वर्षा कराती है।

. The third branch of the Arabian sea hits saurastra peninsular and Kutch. This branch runs along the Aravalli and causes less rainfall in western Rajasthan.

बंगाल की खाड़ी की मानसूनी पवनें (Monsoon winds of Bay of Bengal)

- बंगाल की खाड़ी की मानसूनी पवनें पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में दक्षिण पश्चिम दिशा की अपेक्षा दक्षिणी व द० पू० दिशा से प्रवेश करती है। यह शाखा म्यांमार के तट और दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश से टकराती है।

Monsoon winds from the Bay of Bengal enter west Bengal and Bangladesh from the south and south-east instead of the south-west. This branch hits the coast of Myanmar and southest Bangladesh.

- म्यांमार तट पर स्थित अराकन पहाड़ियाँ इसकी एक शाखा को भारतीय उपमहाद्वीप की ओर विक्षेपित करती है।

The Arakan Hills on the Mayamar coast deflect one of its branches towards the Indian subcontinent.

- बंगाल की खाड़ी की एक शाखा गंगा के मैदान के सहारे पश्चिम की ओर बढ़ती है तथा पंजाब के मैदान तक पहुँचती है, दूसरी शाखा उत्तर एवं उत्तर-पूर्व में ब्रह्मपुत्र घाटी में पहुँचती है।

The branch of the Bay of Bengal moves westwards along the Ganga plain and reaches the punjab plains the second branch reaches the Brahmaputra valley in the north and north east.

- बंगाल की खाड़ी की एक उपशाखा मेघालय मे स्थित गारो व खासी पहाड़ियो से टकराती है।

– A Branch of the Bay of Bengal collides with the Garo and Khasi hills located in Meghalaya.

- खासी पहाड़ियों में स्थित मॉसिनराम सर्वाधिक औसत वर्षा प्राप्त करता है (More than 1080 cm per annum)

Mosinram situated on the Khasi hills receives the maximum average annual rainfall

तमिलनाडू का तट बंगाल की खाड़ी की मानसून पवनों के समांतर पड़ता है, और यह अरब सागर की शाखा के वृष्टिछाया क्षेत्र मे स्थित है, जिससे दक्षिण पश्चिम मानसून से यहाँ वर्षा नही होती है।

The coast of Tamilnadu lies parallel to the monsoon winds of the Bay of Bangal and is located in the rain shadow region of the Arabian sea branch, which does not receive rainfall from the south-west monsoon.

ये मानसून सर्वप्रथम केरल में June first week में प्रवेश करता है।

This monsoon first enters Kerala in the first week of June

भारत में होने वाली लगभग 75% वर्षा के लिए ये ये मानसून जिम्मेदार ~~है~~ होता है।

This monsoon is responsible for abou 75% of the rainfall in India.

ये मानसून भारत में सर्वाधिक वर्षा जुलाई में कराता है।

This monsoon cause maximum rainfall in India in July.

द० पश्चिम मानसून से वर्षा June से सितंबर तक प्राप्त होती है, जो मौसमी प्रकार की है।

Rainfall is received from the South-west monsoon from June to september, which is seasonal in nature.